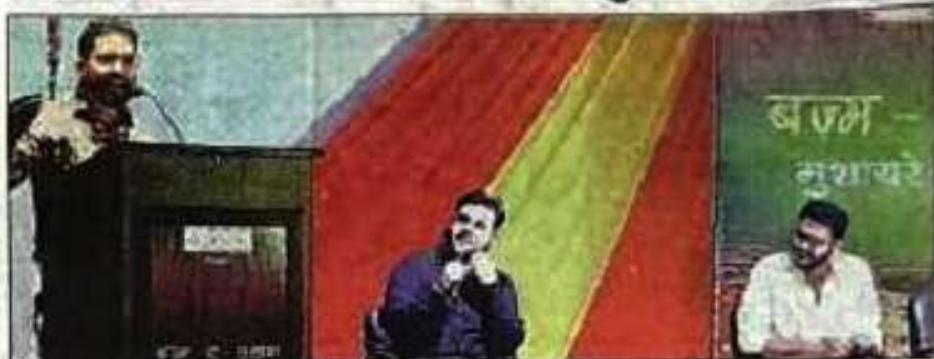


आमरउजाला

बरेली
सोमवार, 11 अगस्त 2025
भाषण कुल्यान-दिव्योदय
निःशुल्क संपादन-2062

PAGE NO. 8: BOTTOME

रिद्धिमा में सजी बज्म-ए-सुखन की शाम



'बज्म ए सुखन' में कलाम पेश करता शायर। फोटो: संस्था

बरेली। श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में गविवार को मुशायरे की शाम 'बज्म ए सुखन' का आयोजन किया गया। शायरों ने अपने कलाम से इश्क और मुहब्बत का तो जिक्र किया ही, बल्कि अपने शेर में मां-बाप की व्यथा के साथ ही सामाजिक व्यवस्था को भी उजागर किया।

मुशायरे का आगाज बरेली के शायर मुलमान आरिफ ने अपने कलाम - पत्थरों से भी दोस्ती कर ली, जब से मैं क्राच के, मज़ान में हूं से किया। इसके बाद बदायूँ के शायर जुवैर मिर्जा ने कहा ""जान कहते हैं तुमको तुम्हारे बिना, पाक कहते हैं तुमको

तुम्हारे बिना..., मुनाया।

बरेली के अधियेक अग्निहोत्री ने अपने कलाम में सामाजिक व्यवस्था पर चोट किया। दिल्ली की शायरा मुस्कान मजोद, बरेली के शायर बिलाल राज बरेलवी, दिल्ली के अधिनव अतीक ने भी कलाम पेश किए। संचालन अश्वनी चौहान ने किया।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरेजा, सुभाष मेहरा, डा. एमएस बुटोला, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. रीटा सहित शहर के गणपान्य लोग मौजूद रहे। संवाद